

# My Journey as a National ICT Awardee



**Om Prakash**

**Patidar**

**A Journey of a Teacher to an  
Innovator & Trainer**



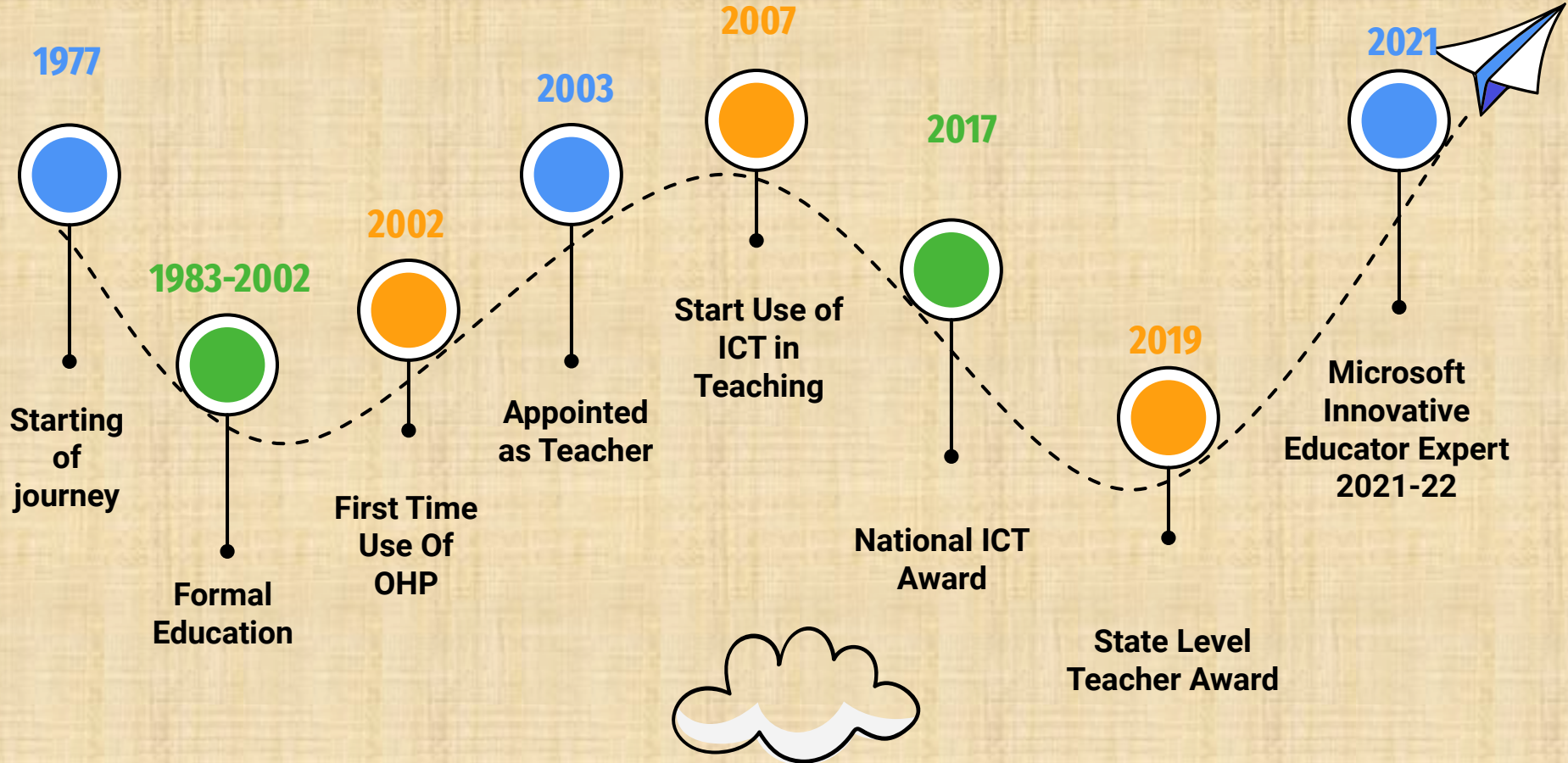
**Mr. OM PRAKASH PATIDAR**  
Higher Secondary Teacher (Biology)

**Government Excellence School**

Shajapur, Distt. - Shajapur  
Madhya Pradesh - 465001

Email: [omprakashptdr@gmail.com](mailto:omprakashptdr@gmail.com)

# My Journey with ICT



# Scenario of my previous school (Govt. Higher Secondary School Berchha)



**350**

**Students**

**13**

**Teachers**

**10**

**Classes**

**12**

**Classrooms**



# Scenario of my school (Govt. Excellence School Shajapur)



**1024**  
Students

**30**  
Teachers

**24**  
Classes

**13**  
Classrooms

# Digital infrastructure available in my school?



20

**Computers**



03

**Projectors**



03

**Television**



00

**Interactive Pannels**



# How did I start using technology and why?



## ई - शिक्षा

(जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग शाजापुर की एक अनुठी पहल)



शा.उ.मा.वि.बेरछा मण्डी, जिला - शाजापुर



# Paradigm shift in teaching strategy

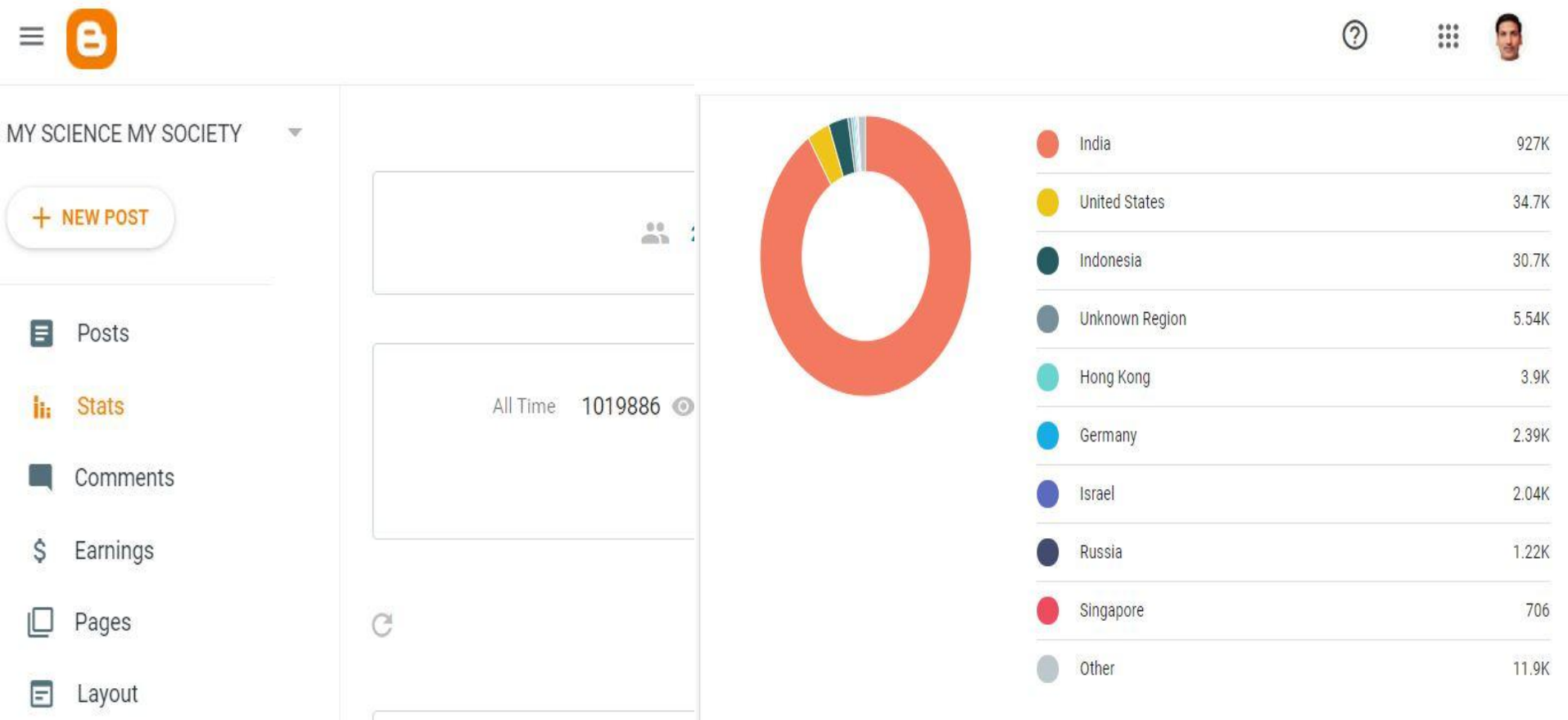
## PARADIGM SHIFT

A change from  
one way of  
thinking to  
another.





# 100 students to thousands of readers



# 100 students to thousands of readers

## Posts



मनुष्य में लिंग निर्धारण (Sex Determination) कैसे होता है? इसके लिए माता और पिता दोनों में से कौन जिम्मेदार?

Posted by My Science My Society

36.9K



पौधे अपना भोजन स्वयं कैसे बनाते हैं?

Posted by My Science My Society

31.6K



विज्ञान मंथन यात्रा (Vigyan Manthan Yatra) 2020-21

Posted by My Science My Society

24.9K



मेरा घर-मेरी प्रयोगशाला- फ्यूचर साइंटिस्ट प्रतियोगिता

Posted by My Science My Society

24.9K



तितली बचाए- प्रकृति सजाए प्रतियोगिता

Posted by My Science My Society

22.8K



"गोयरा: सदियों से गलत धारणा का शिकार एक निर्दोष प्राणी"

Posted by My Science My Society

17.7K

# How did I build myself in the use and integration of technology?





# What are the various **purposes** for which I used technology to bring a change?

**Helps connect students to the real world:**

**Prepares students for the workforce:**

**Encourages collaboration:**

**Supports different types of learners:**

**Access information more easily:**

**Teaches students how to be responsible online:**

**Adds a fun-factor to learning:**

# What is the **impact** of using technology in my environment?



01

Potential to create increased student motivation

02

Increased social interactions

03

Positive outcomes

04

Enhanced student learning

05

Enhanced student engagement

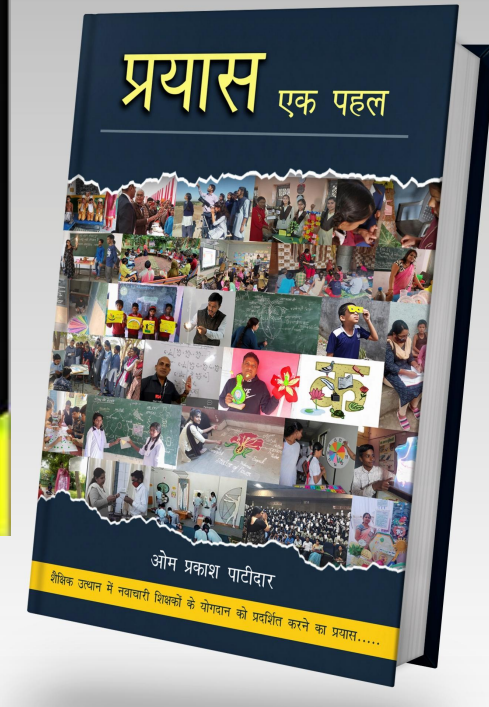
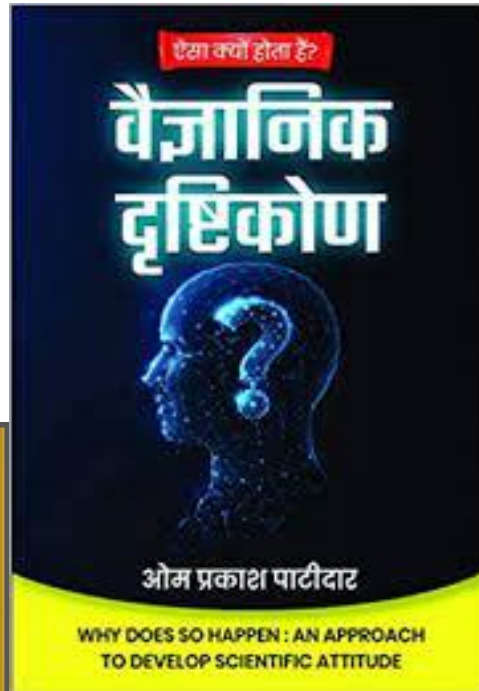
# ICT practices for betterment

## in education

- E-Shiksha
- Concept Development Program (CDP)
- Social media as tools of ICT
- Low cost Teaching Learning Material (TLM)
- Continuous Professional Development (CPD)
- Joyful Learning
- Science with Fun
- Assessments by ICT Tools
- Online Laboratory-Virtual Laboratory
- Science behind Miracles



# ICT practices for betterment in education



# Learning Resources



# Learning Resources







## शिक्षक ने 350 से ज्यादा विषयों की जानकारी का वीडियो यू ट्यूब पर डाला, 7 दिन में 40 हजार लोगों ने देखा

रविवार 11 नवंबर

गांव के एक शिक्षक द्वारा बनाए गए रोचक जानकारी का वीडियो इन दिनों इंटरनेट की दुनिया में वायरल होता जा रहा है। सात दिनों में ही 40 हजार से ज्यादा लोगों ने इस वीडियो को देख विज्ञान के प्रयोग सहित 350 से ज्यादा विषयों की जानकारी जुटाई। शिक्षक के इस प्रयोग का अब इंटरनेट के स्वयंसेवा चैनल पर भी प्रसारण होगा।

ज्ञात रहे शांकीय उमावि बेरला के वरिष्ठ अभ्यासक ओमप्रकाश पाटीदार ने स्कूल के बच्चों को विज्ञान जैसे विषयों के प्रयोग समझने में आ रही कठिनाइयों को देख यह वीडियो बनाया। शिक्षक पाटीदार ने वीडियो में विज्ञान की रोचक जानकारी के साथ दैनिक जीवन से जुड़े 350 से ज्यादा विषयों पर ज्ञानचक्र जैसी जानकारी का समावेश किया गया। बच्चों पर जब इस वीडियो का प्रसारण प्रभाव देखा, तो उन्होंने इसे ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए मोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। यू-ट्यूब सहित



शिक्षक पाटीदार।



बच्चों को ऐसे प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को जानकारी देते।

अक्राइट के माध्यम से इन वीडियो को सात दिनों में 40 हजार लोगों ने देखा। पाटीदार के अनुसार चुचना संघार तकनीकी (आय.सी.टी.) का बेहतर उपयोग कर डिजिटल ज्ञान को साथ-साथ आम नागरिकों एवं शिक्षकों को घर बैठे विज्ञान से जुड़ी मूलभूत एवं जानकारीयों पर प्रकाश करने के उद्देश्य से यह प्रयोग किया गया था।

### विपणन विज्ञान चलव से जुड़े

विज्ञान अवधारणा विकास कार्यक्रम के एक विद्यार्थी ने संघर्षातिन विपणन विज्ञान कला के माध्यम से पाटीदार द्वारा जुटाई जानकारी के माध्यम से एक प्रयोगों कर वकी शिक्षक की अवधारणा समझने में सफल रहते हैं। स्कूलों में जगत्कला कार्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से शैक्षणिक समग्रों का प्रसारण एवं प्रदर्शन किया जा रहा है।

से अधिक विषयों पर ज्ञानचक्र एवं रोचक दृष्टिकोण, इंटरनेट ब्राउजर पर <https://>

**उपलब्धि**  
अब घर बैठे मोबाइल पर भी बच्चों को देख विज्ञान के सरल प्रयोग

### जरूरी शैक्षणिक सामग्रों का सलीकरण किया

एनबीआईआरटी के क्षेत्रीय शिक्षा संरक्षण मंडल द्वारा शिक्षक पाटीदार की विज्ञान शैक्षणिक सामग्रों की डिजिटल वीडियो जिसे शैक्षणिक प्रयोगों के दौरान प्रसारित किया जाएगा। इस प्रकार वीडियो को यू-ट्यूब पर अपलोड किया जा रहा है। वीडियो के लिए जरूरी शैक्षणिक सामग्रों का सलीकरण किया गया। ताकि वीडियो को आसानी से प्रयोग को समझाया जा सके।

blogspot.com पर उपलब्ध है। इन विषयों को देश-विदेश के 40 हजार से अधिक पाठकों द्वारा पढ़ा जाता है। इन विषयों में एक विषय पर केंद्रित सामग्री को प्रतिदिन गुगल प्लेय, फेसबुक तथा वॉट्सएप जैसे मोशल मीडिया पर शेयर किया जाता है। इस फेसबुक ग्रुप विज्ञान एवं समाज 3500 से अधिक लोगों का समूह संचालित किया जा रहा है। इस समूह में प्रतिदिन विज्ञान एवं समाज से जुड़े विषयों पर रोचक एवं रोचक

सुपर रिश्ता चोक बात युवक एक कातर

पर साम शर सार कात का इस लिए कर यह का अप के नन का खडू नही व्य से



# ओपी पाटीदार देशभर के शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे

शाजापुर | 23 नवंबर को उत्कृष्ट स्कूल के आईसीटी पुरस्कार प्राप्त शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार "एक्सप्लोर फिजिक्स विद अल्गोडू" विषय पर देशभर के शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन टीचिंग के समय उपयोगी टूल्स के बारे में बताया जाएगा। शिक्षकों के साथ साथ विद्यार्थी भी अल्गोडू पर परिकल्पना को साकार कर विज्ञान सीख सकते हैं।

## दैनिक भास्कर

06-Apr-2020  
शाजापुर Page 2

## ई-लर्निंग • महामारी के अवकाश का पूरा फायदा ले रहे बच्चे, कोई नेट से नोट्स डाउनलोड कर तो कोई चैनल को देखकर सुलझा रहा है समस्या लॉकडाउन में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं शिक्षक

महामारी के अवकाश का पूरा फायदा ले रहे बच्चे, कोई नेट से नोट्स डाउनलोड कर तो कोई चैनल को देखकर सुलझा रहा है समस्या लॉकडाउन में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं शिक्षक

नहीं हैं, जैसे कि मोबाइल, लैपटॉप या कम्प्यूटर सिस्टम सह टीवी के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। इन बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए शिक्षक भी चले नहीं रहे।

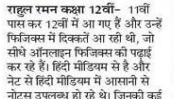
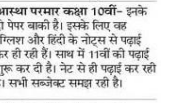
**राज्य स्तर पर ई-लर्निंग समिति सलितक बता रही**  
राज्य स्तर पर ई-लर्निंग समिति है, जो सभी जिलों के हुए समितियों को पाठ्य से लेकर 12वीं तक के विषय के नोट्स तथा लिंक उपलब्ध कराती है। जो डीयू के पास जाते हैं। यहां से प्रत्येक विद्यालय के प्राचार्य से शिक्षकों को जाते हैं। शिक्षक के माध्यम से बच्चों को विवरण होते हैं। यू.यू. मिडि, जिला शिक्षा अधिकारी

**बचे तीन पेपर की तैयारी**  
असिना वीराल कक्षा 12वीं- उच्चतर विद्यालय में कक्षा 12वीं की छात्र हैं। इनके तीन पेपर नहीं हुए हैं। शिक्षकों के बताए हुए वीडियो चैनल पर भी स्कूल एडमिशन का परफेक्ट हो रही है। नेटकर्स के अनुसार चैनल पर होने को बचने से यह सहायक से नोट्स डाउनलोड कर लेती है, उसके बाद पढ़ाई करती है।

**फिजिक्स की तैयारी नेट से**  
राहुल रमन कक्षा 12वीं- 11वीं पास कर 12वीं में आ गए हैं और उन्हें फिजिक्स में दिक्कत आ रही थी, जो सीधे ऑनलाइन फिजिक्स को पढ़ाई कर रहे हैं। हिंदी मीडियम से है और नेट से हिंदी मीडियम में आसानी से नोट्स उपलब्ध हो रहे थे। डिजिटल कंटेंट दिक्कतें दूर हो चुकी हैं। केमिस्ट्री में फिजि भी शिक्षकों की बताई सहाई पर चैनल से पढ़ाई कर बताते हैं।

**दो पेपर बाकी, पर अभी से 11वीं की तैयारी भी शुरू**  
आर्या परमार कक्षा 10वीं- इनके दो पेपर बाकी हैं। इसके लिए वह इंग्लिश और हिंदी के नोट्स से पढ़ाई कर रही हैं। साथ में 11वीं की पढ़ाई शुरू करती हैं। नेट से ही पढ़ाई कर रही हैं। सभी संचालित समाज रही हैं।

**ओपी. पाटीदार ने बताया कि नेट पर एनबीआईआरटी के एप में सभी मीडियम के विद्यार्थियों के लिए शुक्र है। जो अभी है। यह आसानी से डाउनलोड हो जाती है। इससे बच्चे पढ़ाई कर सकते हैं। परामर्श मॉडल की वीडियो के माध्यम से अलगाव यू-ट्यूब चैनल तथा लिंक है।**





### तैयारी • सुट्टियों में बच्चे परीक्षा की तैयारी में जुट गए हैं, समय का सदुपयोग करने में माता-पिता भी कर रहे मदद

## ऑनलाइन पढ़ाई में नेटवर्क का अड़ंगा, लॉकडाउन में अधिक सर्चिंग से डाउनलोडिंग भी धीमी, इसलिए ऑफ और ऑनलाइन पढ़ाई शुरू

भास्कर संवाददाता | शाजापुर

लॉकडाउन में ऑनलाइन पढ़ाई विद्यार्थियों के लिए बेहतर तरीका बनकर सामने आई और इस तकनीकी का इस्तेमाल कर बच्चे पढ़ाई करने लगा गए हैं। इनमें शासकीय तथा निजी विद्यालय के शिक्षक भी आमना रहे थे, लेकिन नेटवर्क की समस्या ऑनलाइन पढ़ाई की दुरमन साबित हो रही है। लॉकडाउन के कारण जहाँ सभी शहरवासी आमजन घर पर हैं तो नेट इन्सुलन काफी कर रहे हैं। इस पर विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है और उन्हें नेट्स डाउनलोड करने में या नवीं तक अधिक समय लगा रहा है या नहीं कर पा रहे हैं। उनको इसके लिए रात का इंतजार करना पड़ता है। जब लोग रात को सो जाते हैं, तभी

नेट्स तो हैं, ग्रामर के लिए नेट का उपयोग करना पड़ रहा



**आकांक्षा दीक्षित** - 10वीं की उत्कृष्ट की छात्रा आकांक्षा दीक्षित ने बताया कि बोर्ड परीक्षा का उनका आखिरी पेपर बचा है, जो हिंदी का होता था। हालांकि उन्होंने नेट्स डाउनलोड कर लिए हैं और शिक्षकों के नेट्स भी हैं, लेकिन ग्रामर के लिए

ऑन और ऑफलाइन दोनों तरह से पढ़ाई कर रहे हैं



**किरण चौहान** - दसवीं की किरण चौहान ने बताया कि पूरे और मेरे भाई को ऑनलाइन पढ़ाई करने में काफी अड़ंगा लग रहा था, लेकिन बीच में नेटवर्क वहीं नहीं करता है। इससे हमारा समय का लोस हो जाता है। इसलिए अब ऑनलाइन पढ़ाई तभी करते हैं, जब नेट ठीक चल रहा हो

सभी टेलीकॉम कंपनी का नेटवर्क खराब हो गया



इधर, शिक्षक आशीष जोशी ने बताया सभी टेलीकॉम कंपनियों का नेटवर्क खराब है। इस कारण ऑनलाइन पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। नेटवर्क खराब होने के कारण वह जिन बच्चों को पढ़ा रहे थे, जिसमें 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी हैं।

लॉकडाउन के कारण सर्द करने वालों की संख्या बढ़ी



डाइट के व्याख्याता सुनील तिवारी बताते हैं कि लॉकडाउन के कारण आमजन घर में रह रहे हैं। इस कारण सबसे ज्यादा इंटरनेट पर सर्च बढ़ा है, जिसके कारण नेटवर्क की प्रॉब्लम आ रही है। इधर, शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार भी कहते हैं कि यू-ट्यूब जैसे



शाजापुर 17-06-2020

## राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का समूह गुरुजी और बच्चों को यू-ट्यूब लाइव पर बना रहे हैं तकनीकी विशेषज्ञ

10 दिनी ऑनलाइन शिक्षण के साथ साइबर क्राइम से बचने बच्चों को जानकारी दे रहे

भास्कर संवाददाता | शाजापुर

महामारी ने आर्थिक एवं शैक्षिक गतिविधियों को बहुत ज्यादा प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री द्वारा इस विपत्ति को अवसर में बदलने की अपील पर देश के चुनिंदा राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के समूह ने योजना बनाई है। इसमें 10 दिनी ऑनलाइन शिक्षण के साथ साइबर क्राइम से बचने के संबंध में बच्चों को जानकारी प्रदान करने के लिए 6 जून से नेशनल आईसीटी वेबिनार शुरू किया। इस वेबिनार



ऑनलाइन संबोधित करते पाटीदार।

श्रृंखला का शुभारंभ राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की हेड आफ डिपार्टमेंट प्रोफेसर इंदु कुमार द्वारा किया गया।

प्रो. कुमार ने दीक्षा पोर्टल द्वारा

देशभर के शिक्षकों को प्रशिक्षित कर डिजिटल रिमोस उपलब्ध करवाने के संबंध में बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर अंजित माध्यम में अनेक वेबिनार आयोजित किए जा रहे हैं। परंतु हिंदी में कोई नहीं था। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय आई.सी.टी वेबिनार देशभर के शिक्षकों के साथ विश्वोपकर हिन्दी भाषी राज्यों के लिए संजीवनी सिद्ध हो रहा है। इस वेबिनार के माध्यम से अनावक 15000 से अधिक शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न आईसीटी टूल्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

**टीम में मप्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं पाटीदार**

इस वेबिनार को राष्ट्रपति पुरस्कार शिक्षक भी तैयार कर रहे हैं। इसमें मप्र का प्रतिनिधित्व ओमप्रकाश पाटीदार कर रहे हैं। पाटीदार के अलावा इसमें केंद्रीय विद्यालय के डॉ. अशर अहमद, उग्र शिक्षा विभाग से विजया कुमार डमेरा, प्रतिभा सिंह, प्राणेश भूषण मिश्रा, चान्दीना आगवाल, सम्पन्न कुमार मिश्रा, आशुतोष अवस्थी, करमौर से अयाज रैना, गुजरात से कृपाली संजवी, तेलंगाना से नागा राजू देवानपल्ली, उमायान्दी चिडुला शामिल है।



शाजापुर 30-06-2020

## 1000 से अधिक शिक्षकों ने हिस्सेदारी की स्कूल बंद, शिक्षकों को अपडेट रखने के लिए ऑनलाइन विवज आयोजित

शाजापुर | कोरोना महामारी के चलते सभी शासकीय व अशासकीय स्कूल बंद है। बच्चों को पढ़ाई प्रभावित न हो इसलिए शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को डीजीलेप ग्रुप के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण दे रहा है। साथ ही शिक्षकों के लिए दीक्षा एप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ऐसे में उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार ने रतलाम की सीमा अग्निहोत्री, जबलपुर से डॉ. भारती मालपानी और उज्जैन की अद्विता श्रीवास्तव के साथ मिलकर फोरम बनाया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से अपडेट करने व शिक्षण में उपयोग किए जा सकने वाले टूल्स एवं सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण देना है। विषय का मूल्यांकन करने तथा

शिक्षा को रोचक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में रविवार रात 8 बजे ऑनलाइन मेगा विवज का आयोजन किया गया। ऑनलाइन विवज में 1000 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। रात 9 बजे विजेताओं की घोषणा की गई और सभी शिक्षकों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए गए।

**यह बने विवज के विजेता**

प्रथम उमेश कुमार शर्मा शाउमावि भांडुस जिला बैतूल, द्वितीय संतोष कुमार चौरसिया शा. मॉडल स्कूल बंडा जिला सागर तथा तृतीय लीना जैन शासकीय हाईस्कूल मोहम्मद खेड़ा जिला शाजापुर को विजेता घोषित किया गया।





# As a Resource Person



## Certificate of Completion

*This is to certify that*

*Ms./ Mr.* **Om Prakash Patidar, ICT Awardee**

*has Successfully Completed online course 'Induction-1 ICT in Education-Basic' (120 hours) of ICT in Education Curriculum Conducted by Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi*

*He/she is now a 'Certified Key Resource Person (KRP)' for the course on ICT in Education-Basic (Induction - I)*

Joint Director  
CIET-NCERT

Joint Director  
CIET-NCERT

Asst. Prof. & Programme Coordinator  
CIET-NCERT

Asst. Prof. & Programme Coordinator  
CIET-NCERT

Head, DCE & ID  
CIET-NCERT

Head, DCE & ID  
CIET-NCERT

# What is the way forward I am looking at?

**An integrated  
Digital Plan for  
Classroom**

01

**Developing  
Classroom as an  
inclusive and  
dynamic  
hybrid learning  
space.**

04



02


**Implementation of  
ICT Curriculum in  
Madhya Pradesh**

03

**ICT supported  
Innovative services**



# Recognition




मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग  
Department of School Education and Literacy

शिक्षकों हेतु राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार 2017  
National ICT Award for Teachers 2017

आईसीटी के प्रभावशाली और नवाचारी एकीकरण से विद्यार्थी अधिगम प्रोन्नति में प्रशंसनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है

Given in recognition of effective and innovative integration of ICT in promoting students' learning



श्री ओम प्रकाश पाटीदार  
उच्चतर माध्यमिक शिक्षक (जीव विज्ञान)  
मालकीय उत्कृष्ट विद्यालय, शाजापुर  
विद्या - शाजापुर  
मध्य प्रदेश - 465001

*Sh. Om Prakash Patidar*  
Higher Secondary Teacher (Biology)  
Government Excellence School, Shajapur  
Distt. - Shajapur  
Madhya Pradesh - 465001

श्री मन्मथ शर्मा  
12 अक्टूबर 2019  
Secretary, Government of India  
New Delhi, 21 November, 2019



लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग, म.प्र.

**राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह वर्ष 2019**  
दिनांक 06 सितम्बर 2019


**प्रशस्ति पत्र**

श्री/श्रीमती/शुभी ओम प्रकाश पाटीदार एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक  
विद्यालय शा. उत्कृष्ट उ. मा. वि. शाजापुर, जिला शाजापुर को विशिष्ट प्रतिभा सम्पन्न शिक्षक के रूप में सम्मान की बहुमूल्य सेवा के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्रदान किया जाता है।  
आपके उत्कृष्ट शिष्य की कामनाओं सहित।

जयश्री शिवराव शर्मा  
लोक शिक्षण, म.प्र.


श्रीमती अरुण शर्मा  
मुख्य अधिकारी  
स्कूल शिक्षा विभाग, म.प्र., रायपुर

श्री. प्रमथ पौषी  
श्री. मूल निवास विभाग  
म.प्र., रायपुर



मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल  
राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एवं अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय मध्यप्रदेश, जबलपुर  
म.प्र. विज्ञान प्रतिभा सम्मान समारोह  
नवाचारी विज्ञान शिक्षक पुरस्कार - 2017-18

**प्रमाण पत्र**



विज्ञान शिक्षण में उत्कृष्ट नवाचार के लिये श्री ओमप्रकाश पाटीदार, बरिह अक्काळ, शा.उ.मा.वि. बेरज, शाजापुर

को राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एवं अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के संज्ञान से राज्य स्तरीय नवाचारी विज्ञान शिक्षक पुरस्कार (द्वितीय स्थान) राशि 25,000 रु. (पच्चीस हजार रुपये) एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

श्रीमती अरुण शर्मा  
लोक शिक्षण, म.प्र.

श्री. मुरलिका के. गर्ग  
श्री. प्रमथ पौषी  
श्री. मूल निवास विभाग  
म.प्र., रायपुर

श्री. मन्मथ शर्मा  
श्री. मूल निवास विभाग  
म.प्र., रायपुर

श्री. मन्मथ शर्मा  
श्री. मूल निवास विभाग  
म.प्र., रायपुर



लोक शिक्षण संचालनालय  
राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह - 2019  
06 सितम्बर 2019  
**प्रशस्ति पत्र**  
श्री ओमप्रकाश पाटीदार  
श.से. शिक्षक, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शाजापुर  
जिला - शाजापुर

को उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिये गये योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।  
आपके उत्कृष्ट शिष्य की कामना सहित



# Recognition





# Recognition

शिक्षा

सूचना संचार तकनीकी के उपयोग के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय देता है पुरस्कार

## शाजापुर के ओमप्रकाश पाटीदार को राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार

शाजापुर | नईदुनिया प्रतिनिधि

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय वर्ष 2010 से राष्ट्रीय आईसीटी (सूचना और संचार तकनीकी) पुरस्कार देश भर के उन शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए देता है, जिन्होंने विद्यालयीन पाठ्यक्रम और विषय शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए नवीन एकीकृत प्रौद्योगिकी का उपयोग कर विद्यार्थियों में आईसीटी के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न की हो। बड़ी खोज आधारित सहायक और सहयोगपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दिया हो।

अबकी बार मंत्र से सिर्फ दो शिक्षकों

ज्ञान की आराधना

- उत्कृष्ट स्कूल में जीव विज्ञान पढ़ाते हैं ओमप्रकाश पाटीदार
- 23 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित समारोह में मिलेगा पुरस्कार

को यह पुरस्कार प्रदान मिलेगा। इनमें एक शाजापुर के ओमप्रकाश पाटीदार भी हैं। उत्कृष्ट स्कूल शाजापुर में जीव विज्ञान के शिक्षक पाटीदार को 23 दिसंबर को नई दिल्ली में यह पुरस्कार मिलेगा।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में होने वाले राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार का सीधा प्रसारण भी होगा।



ओमप्रकाश पाटीदार

जानकारी के अनुसार आज के समय में हर कोई इंटरनेट का उपयोग कर रहा है। एक ओर जहां इस सूचना संचार तकनीकी ने संपूर्ण विश्व में ज्ञान-विज्ञान को सुलभता से हर व्यक्ति को पहुंच में ला दिया। दूसरी ओर इसके दुरुपयोग से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। विशेषकर कि शोर वगैरे के बालक-बालिकाओं द्वारा इसके गलत उपयोग की आशंकाओं को लेकर उनके पालकों को चिंतित कर दिया है। ऐसे में शाजापुर के

शिक्षक पाटीदार द्वारा सोशल मीडिया से शिक्षा की अवधारणा पर कार्य करते हुए अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

इसी प्रकार एनसीईआरटी के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के शैक्षणिक प्रसारणों को भी वे यू-ट्यूब पर अपलोड करते हैं। स्कूल में संचालित विप्रेट विज्ञान क्लब के माध्यम से शैक्षणिक स्तर पर सरल प्रयोगों द्वारा बच्चों को विज्ञान की अवधारणाएं समझाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर और प्रोजेक्टर के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री का प्रसारण और प्रदर्शन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्य में फायदा मिल रहा है।

ज्ञानवर्धक और रोचक जानकारी करते हैं शंकर

पाटीदार द्वारा अलगा करवाए जा रहे शैक्षणिक ससम्पन्न विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सभी के लिए सस्तर सुलभ और निशुल्क उपलब्ध है। इंटरनेट पर मौजूद दैनिक जीवन से जुड़े 300 से अधिक विषयों पर ज्ञानवर्धक व रोचक जानकारी सौंपत भी दिया पर शंकर करते हैं तो फेसबुक पेज 'विज्ञान और समाज' बना रखा है। इसमें 3500 पाठकों का समूह संचालित किया जा रहा है। इस समूह में प्रतिदिन विज्ञान और समाज से जुड़े विषयों पर शैक्षिक और रोचक जानकारी पोस्ट की जाती है।

## ओमप्रकाश पाटीदार को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने में शिक्षक पाटीदार दे रहे सराहनीय योगदान



शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार

शाजापुर @ पत्रिका. स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में पदस्थ शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास और उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए सराहनीय योगदान दे रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सूचना संचार तकनीकी के उपयोग के लिए शिक्षक पाटीदार को 23 दिसंबर को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 23 दिसंबर को सुबह 10 बजे से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर किया जाएगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष

2010 से राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार देश भर के उन शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं विषय-शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए नवीन एकीकृत प्रौद्योगिकी का उपयोग कर विद्यार्थियों में आईसीटी के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न की है। जिससे खोज आधारित सहायक और सहयोगपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दिया गया है। अब तक मध्य प्रदेश से सिर्फ दो शिक्षकों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। 23 दिसंबर को यह पुरस्कार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर के जीव विज्ञान शिक्षक ओमप्रकाश पाटीदार को प्रदान किया जाएगा।

# Recognition

## शिक्षक पाटीदार बने माइक्रोसाफ्ट इनोवेटिव एजुकएटर एक्सपर्ट

शाजापुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। नवाचारों शिक्षक ओम प्रकाश पाटीदार को इस वर्ष के लिए माइक्रोसाफ्ट कंपनी माइक्रोसाफ्ट के माइक्रोसाफ्ट एजुकएटर एक्सपर्ट 2021-22 के लिए माइक्रोसाफ्ट इनोवेटिव एजुकएटर एक्सपर्ट (एमआईईई) चुना गया है।

माइक्रोसाफ्ट इनोवेटिव एजुकएटर प्रोग्राम नए दुनिया भर में शिक्षा क्षेत्र के ऐसे दूरदर्शी शिक्षकों को सम्मानित करता है, जो विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं और अपने सहकर्मियों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। इस कार्यक्रम कंप्यूटर शिक्षा के लिए कार्यक्रम माइक्रोसाफ्ट की एमआईईई प्रोग्राम में ऐसे शिक्षकों को उपलब्धियों और उनकी सफलताओं को सम्मानित करता है, जो विषयवस्तु, अध्यापन और टेक्नोलॉजी को साथ लाकर एडवांस लर्निंग को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे छात्रों को बेहतर ढंग से सीखने में मदद मिलती है और शिक्षण को भी नया रूप मिलता है।

माइक्रोसाफ्ट एजुकएटर ने इस साल 83 देशों से 240 माइक्रोसाफ्ट इनोवेटिव एजुकएटर ने ईई एजुकएटर एक्सपर्ट के लिए साथ आकर नए विचारों और असाधारण टीचिंग प्रैक्टिस को साझा किया। प्रतिभागियों को माइक्रोसाफ्ट की नवीनतम टेक्नोलॉजी

### शिक्षण माहौल बनाने में मददगार

शिक्षण में नवीन टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के लिए चयनित शिक्षक पाटीदार ने अनुभूति, प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स तैयार किए, जिससे छात्रों के लिए इंटरैक्टिव, दिलचस्प और लाभकारी शिक्षण माहौल बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने लाकडाउन के दौरान विचारधाराओं और नागरिकों में डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग के द्वारा जीव विविधता संरक्षण सहित विज्ञान एवं स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित अनेक आनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन कर माइक्रोसाफ्ट फार्म के माध्यम से बच्चों का मूल्यांकन किया तथा बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के उद्देश्य से वैज्ञानिक दृष्टिकोण नामक पुस्तक लेखन का कार्य किया। शिक्षकों के नवाचार को मंच देने के उद्देश्य से उनकी आगामी पुस्तक प्रयास एक पहल शीघ्र प्रकाशित होने वाली है।



ओमप्रकाश पाटीदार

से भी रूबरू कराया गया और उन्हें सबसे बेहतरीन व्याख्या को एक-दूसरे के साथ साझा करने का मंच उपलब्ध कराया गया, जहां वे साथ मिलकर टीचिंग और लर्निंग में इनोवेशन को प्रोत्साहित कर सकें।

इस प्रोग्राम के लिए चुने गए शिक्षकों को माइक्रोसाफ्ट की नवीनतम

साफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनके संस्थाओं में तकनीकी को विश्व के 120 देशों के 22000 शिक्षकों के साथ साझा करने के लिए वैश्विक मंच उपलब्ध कराया जाएगा, जहां वे विश्व के अन्य देशों के शिक्षकों के साथ मिलकर टीचिंग और लर्निंग में इनोवेशन को प्रोत्साहित कर सकें।

## Certificate of Recognition

Om Prakash Patidar

has been awarded this Microsoft in Education certificate in recognition of being selected as a Microsoft Innovative Educator Expert for 2021-2022



September 7, 2021

Changemakers in education

Anthony Salcito  
Vice President, Microsoft Worldwide Education

Sonja Delafosse  
Strategy Leader, Educator Programs